फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 74 संख्याः 277 प्रभात जयपुर, गुरुवार 9 मई, 2024 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Mango Range! But No Mangoes?!!

During my stay in Mango Range, I decided to write this book and in six months, I produced a *200-pages Manual of Tea Plantation Management.*

LED Light Therapy

LED light therapy is a non-invasive treatment that enters the skin's layers to improve the skin

मल्लिकार्जुन खड़गे ने तुरन्त आनन-फानन में सैम पित्रोदा का इस्तीफा मंजूर किया

ऐसा कहा जा रहा है कि, वे इस बात से अति विचलित हुए कि, सैम पित्रोदा ने उन्हें अप्रत्यक्ष रूप से अफ्रीकी मूल का बताया, क्योंकि वे काले हैं तथा दक्षिण भारत (कर्नाटक) के रहने वाले हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 मई। राहुल गांधी के मित्र, दार्शनिक एवं मार्गदर्शक सैम पित्रोदा को ओवरसीज़ कांग्रेस के अध्यक्ष पद से अपना इस्तीफा सौंपने को कहा गया। इसका कारण है पित्रोदा द्वारा ऐसी बातें बोलना है जिनसे पार्टी को शर्मिंदगी झेलनी पड़ती है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उनका इस्तीफा तुरंत प्रभाव से स्वीकार कर लिया।

- **राहुल गांधी के मित्र, फिलॉसफर व गाइड, सैम अंकल ने एक छोटे से, लगभग बंद अखबार को इंटरव्यू में दक्षिण भारतीयों को अफ्रीकी मूल, नॉर्थ-ईस्ट वालों को चीनी मूल तथा पश्चिमी हिन्दुस्तान (महाराष्ट्र आदि) को अरब मूल का बताया।**
- **हालांकि, सैम पित्रोदा ने साथ में यह भी कहा कि, इन सभी विविधता के बावजूद भारत एक ''युनाइटेड'' देश है, पर, भाजपा ने सैम पित्रोदा की टिप्पणी पर तूफान खड़ा कर दिया और सैम को ओवरसीज़ कांग्रेस के अध्यक्ष पद से इस्तिफा देना पड़ा।**

एक छोट और बंद पड़े दैनिक अखबार को दिए एक साक्षात्कार में पित्रोदा ने भारतीयों के लिए कहा था कि उत्तर-पूर्व भारत के लोग चाइनीज़, दक्षिण भारत के अफ्रीकी और पश्चिम भारत के लोग अरब के लोगों जैसे दिखते हैं। वे भारत में व्याप्त विविधता की बात कर रहे थे। उन्होंने कहा था कि इतनी विविधता के बावजूद भारत एकजुट है। भाजपा ने इस साक्षात्कार को मुद्दा बनाकर एक ऐसा देश-व्यापी अभियान शुरु कर दिया है और कांग्रेस के लिए उसका जवाब देना मुश्किल हो रहा है।

पित्रोदा ने कुछ समय पूर्व ही विरासत कर लगाने की बात की थी जिससे भी कांग्रेस को शर्मिंदगी उठानी पड़ी थी। कांग्रेस ने ऐसा कोई कदम उठाय जाने का खण्डन किया, किन्तु भाजपा इसे एक मुद्दा बनाने में सफल रही।

कांग्रेस नेता कहते हैं कि पित्रोदा ने अपनी मर्जी से ही त्याग पत्र दिया, लेकिन पार्टी के अंदरूनी सूत्र कहते हैं कि उन्हें अपना त्याग पत्र सौंपने के लिए कहा गया था क्योंकि वे भाजपा को निरन्तर ऐसे मुद्दे परोसते जा रहे थे जिनसे वह कांग्रेस को मात देती जा रही थी।

सैम पित्रोदा तकनीकी अभियानों पर राजीव गांधी के सलाहकार थे और अब वे राहुल गांधी के सभी विदेशी दौरों में उनके साथ नज़र आते हैं और सभी कार्यक्रमों का संचालन करते देखे जाते हैं।

राहुल उन्हें अंकल बुलाते है लेकिन सवाल यह पूछा जा रहा है कि वे उन मुद्दों पर क्यों बोल रहे हैं जो कांग्रेस के एजेंडा का हिस्सा नहीं है।

सूत्रों का कहना है कि पार्टी अध्यक्ष खड़गे अफ्रीकन से तुलना किए जाने से काफी नाराज़ हैं क्योंकि वे कर्नाटक से हैं और वे श्याम वर्ण के हैं।

वर्तमान लोकसभा चुनाव में जाति भेद, धर्म भेद, क्षेत्रवाद और नस्ल भेद सब दिख रहा है।

और मूल मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए ऐसे मुद्दे लपकने और उन्हें उछालने का कोई भी मौका भाजपा नहीं छोड़ती है, क्योंकि जनता को प्रभावित करने वाले मूल मुद्दों का मोदी व उनके लोगों के पास कोई जवाब नहीं है।

यू.पी. में मायावती से प्रत्याशी बदलवाए शाह ने?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 मई। उत्तर प्रदेश को जातिगत राजनीति के लिए जाना जाता है और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह इसका पूरा-पूरा उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने इस काम के लिए बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती को बाध्य किया है, जिन्होंने अपने भतीजे आकाश आनंद के पद और अधिकार छीन लिए, जिससे कि उन्हें भाजपा को नुकसान पहुंचाने वाले चुनाव प्रचार को जारी रखने से रोका जा सके। इतना ही

- **ऐसी चर्चा है कि, मायावती ने शाह के कहने पर 30 क्षेत्रों से प्रत्याशी बदल दिए और ऐसे प्रत्याशियों को टिकट दे दिए जो भाजपा की जीत आसान बना दें।**

नहीं, मायावती ने बसपा के ऐसे 30 उम्मीदवार भी बदल दिए जो भाजपा की जीत की संभावनाओं को हानि पहुंचा सकते थे।

मायावती ने कई ब्राह्मणों और ठाकुरों को बसपा टिकट दिया था, लेकिन उन्होंने इन उम्मीदवारों को अमित शाह के इशारे पर इस सप्ताह एक के बाद एक बदल दिया।

वाराणसी के पास के जौनपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र का ही उदाहरण लीजिए, जहाँ से भाजपा ने महाराष्ट्र के प्रदेश उपाध्यक्ष कृपा शंकर सिंह को मैदान में उतारा है। कृपा शंकर पहले

(शेष पृष्ठ 6 पर)

रविन्द्रनाथ टैगोर ने भी अपनी कविता में लगभग ऐसी ही बात कही थी, जो सैम ने कही

पर, टैगोर की कविता पर, ऐसा हंगामा कतई नहीं हुआ था, जो सैम के उद्गारों से हुआ

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 मई। भारतीयों की विविधता के बारे में सैम पित्रोदा की टिप्पणियों पर की गई प्रतिक्रियाएं अपने आप में एक ''नस्लवादी'' दृष्टिकोण को परिलक्षित करती हैं। पित्रोदा ने जो बात मुंहफट अंदाज में कही, रविन्द्रनाथ टैगोर ने भी भारत की अनेकता में एकता पर लिखी गई एक कविता में वही बात कही है।

- **रविन्द्रनाथ टैगोर ने अपनी प्रसिद्ध कविता ''भारत तीर्थ'' में लिखा है कि, कैसे विश्व के कोनों से लहर पर लहर, भारत के तट पर आयीं और भारत के महासमुद्र में समा गयीं, अपनी पहचान को भारत की पहचान में समावेश कराकर। आर्य, अनार्य, द्रविड़, चीनी, शक, हूण, पठान व मुग़ल आये तथा इन सभी जातियों के धर्म, फिलॉसफी व विचार के मिश्रण से एक महान देश बना भारत।**
- **सैम व टैगोर के प्रस्तुतिकरण में जरूर फर्क था। टैगोर की भाषा व सोच उदार थी, तथा देश की विविधता को सहर्ष स्वीकार करता दिख रहा था। पर, सैम का वर्गीकरण दिल दुखाने वाला व लगभग व्यंगात्मक व कठोर।**

भारतीय उपमहाद्वीप में आए विभिन्न नस्लों और पहचान के लोगों के एक भारतीय विचारधारा में तब्दील हो जाने को लेकर गई उक्त कविता पर किसी ने भी आपत्ति नहीं जतायी थी।

पित्रोदा की टिप्पणियां भारत में प्रतिदिन होने वाली घटनाओं के समरूप हैं। उन्होंने पूर्वी और खासतौर पर पूर्वोत्तर भारत के लोगों के नाक-नक्श की तुलना चाइनीज़ फीचर्स से की है,जो कोई नई बात नहीं है। दिल्ली में ऐसे असंख्य वाकिए होते आए हैं जिनमें नॉर्थ-ईस्ट इंडिया के युवक-युवतियों को डराया धमकाया गया और कभी-कभी तो उन्हें किराए के मकानों से भी बाहर निकाल दिया जाता है।

पित्रोदा ने पश्चिम भारत के लोगों की तुलना अरब के लोगों से की है। वास्तव में देखा जाए तो अरबों और ईरानियों के साथ भारत के ऐतिहासिक लिंक रहे हैं, जिन्हें किसी भी सूरत में नकारा नहीं जा सकता। मुगल साम्रज्य के अंतिम दौर में अफगानिस्तान पर कई बार राजस्थान के राजाओं का शासन रहा था।

पित्रोदा की जिस टिप्पणी पर सर्वाधिक आलोचना हुई है, वह है दक्षिण भारतीयों का रंग-रूप अफ्रीकियों से मिलाना। त्वचा के रंग को लेकर यह एक भ्रांतिपूर्ण रवैया है। सच पूछे तो दुनिया का कोई भी देश इतना रंगभेदी नहीं है, जितना की भारत, क्योंकि यहां गोरा रंग का हमेशा से गुणगान किया जाता रहा है।

दक्षिण भारतीयों के बारे में उनकी टिप्पणी ना केवल अपमानजनक है बल्कि उससे त्वचा के रंग को लेकर भारतीयों का दृष्टिकोण भी झलकता है, लेकिन इस संदर्भ में जिन लोगों ने पित्रोदा की आलोचना की है, उन्होंने भी एक तरह से भारतीय मानसिकता का

(शेष पृष्ठ 6 पर)

'आपको कैसे मालूम अडानी-अबांनी टैम्पो में भरकर पैसा देते हैं'

राहुल गांधी ने यह पलटवार करते हुए मोदी जी से व्यंगयात्मक टोन में पूछा, ''क्या यह आपका पुराना अनुभव है?''

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 मई। कांग्रेस नेता, राहुल गांधी ने सीधे तौर पर प्रधानमंत्री मोदी से एनफॉर्समेन्ट डायरैक्टोरेट (ई.डी.) और केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सी.बी.आई.) की टीमों को उद्योगपतियों, अंबानी और अडाणी के पास भेजने के लिए कहा है ताकि प्रधानमंत्री अपना आरोप सिद्ध करने के लिए सूचना इकट्ठी कर सके, कि, क्या इन उद्योगपतियों ने कांग्रेस पार्टी को काला धन दिया है।

- **राहुल गांधी ने तंज करते हुए यह भी कहा, ''आप ई.डी. व सी.बी.आई. की टीमें अडानी-अबांनी के प्रतिष्ठानों पर भेजते, आपके आरोपों के सबूत इकट्ठे करने के लिये।''**

पांच सालों में यह पहली बार हुआ है कि, प्रधानमंत्री मोदी ने राहुल गांधी द्वारा भारतीय उद्योगपतियों पर ''क्रोनी कैपिटलिज़्म'' (मित्र पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाना) के नाम पर निरंतर हमला करने पर प्रतिक्रिया दी है और प्रधानमंत्री ने सवाल किया कि, कांग्रेस की शीर्ष व्यवसायियों के साथ क्या ''डील'' हुई है, जिसके कारण कांग्रेस ने उनको अचानक गाली देना बंद कर दिया है। कांग्रेस नेता ने जवाबी हमला करते हुए कहा कि, वह अपने आरोप पर अडिग है कि, भाजपा सरकार ने अडाणी और अंबानी के कर्जे माफ करके, उनको अरबों रुपये कमाने में मदद की है।

सोशल मीडिया में संचारित एक विडियो बयान में राहुल गांधी ने, अंबानी -अडाणी से ''डील'' वाले ताने पर, नरेन्द्र मोदी पर हमला बोला है, ''नमस्कार मोदी जी, क्या आप डर गए?'' राहुल गांधी ने कहा, ''अंबानी, अडाणी से आप सामान्यत: बंद दरवाजों के पीछे बात करते हो, यह पहली बार हुआ है कि आपने सार्वजनिक तौर पर अंबानी, अडाणी कहा।''

प्रधानमंत्री के ताने पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस नेता ने कहा, ''और आपको यह भी पता है कि वे धन ''टैम्पो'' (गाड़ी) में भेजते हैं। क्या यह आपका निजी अनुभव है?'' फिर उन्होंने

(शेष पृष्ठ 6 पर)

पेपर लीक में आरोपी ट्रेनी एस.आई. की रिहाई निरस्त

जयपुर, 8 मई (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने पुलिस उप निरीक्षक भर्ती 2021, पेपर लीक से जुड़े मामले में मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट, द्वितीय, के गत 12 अप्रैल के उस आदेश को निरस्त कर दिया है, जिसके तहत अदालत ने 11 ट्रेनिंग एस.आई. सहित कुल 12 आरोपियों की हिरासत को अवैध मानते हुए उन्हें रिहा करने के आदेश दिए थे। इसके साथ ही अदालत ने डी.जी.पी. को कहा है कि, वह आरोपियों की अवैध हिरासत के संबंध में जांच कर 15 दिन में निचली अदालत

- **राजस्थान हाई कोर्ट ने 12 अप्रेल के, मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट के आदेश को निरस्त कर दिया और डी.जी.पी. से अवैध हिरासत के संदर्भ में जाँच रिपोर्ट मांगी है।**

में तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करें। जिसके आधार पर निचली अदालत अवैध हिरासत के बिंदू को तय करे। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश राज्य सरकार की अपील को मंजूर करते हुए दिए।

अदालत ने कहा कि, 19 मार्च 2024 को मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट ने अन्य आरोपियों की अवैध हिरासत के संबंध में डी.जी.पी. को जांच करने के आदेश दिए थे और उनसे रिपोर्ट मांगी

(शेष पृष्ठ 6 पर)

'नोटों से भरे बोरे, टैम्पो में डालकर कांग्रेस, अडानी व अबांनी से लेकर आयी है'

प्र.मंत्री मोदी ने राहुल गांधी पर सीधा आरोप लगाया और कहा, इसी कारण चुनाव की घोषणा होने के बाद से राहुल ने अडानी-अबांनी को गाली देना बंद कर दिया है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 मई। वर्तमान लोकसभा चुनावों के बीच में, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेसी नेता पर सनसनीखेज आरोप लगाकर राजनीति में खलबली मचा दी। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि जब से इस बार का चुनाव प्रचार अभियान शुरु हुआ है राहुल गांधी ने उद्योगपति गौतम अडाणी व मुकेश अंबानी के खिलाफ आरोप लगाना बंद कर दिया है। संभवतया दोनों उद्योगपतियों से कांग्रेस को टैम्पों में भरकर नोटों के बोरे मिले हैं।'' उन्होंने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए

- **तेलंगाना की एक आम सभा में सार्वजनिक मंच से लगाये गये इस संगीन आरोप से सब स्तब्ध हैं।**
- **आम चर्चा है, क्या मोदी के पास कुछ ठोस सबूत है, इस आरोप के बारे में, जो वे दो-तीन दिन में उजागर करेंगे।**

कहा कि कांग्रेस को इस बात का खुलासा करना चाहिए कि उसने अंबानी व अडाणी से कितने बोरे कालाधन प्राप्त किया है। मतलब दाल में कुछ काला है, ''यह बात प्रधानमंत्री ने तेलंगाना की एक जनसभा में जोर-शोर से कही।

राहुल गांधी वर्ष 2014 से ही प्रधानमंत्री मोदी और दोनों उद्योगपतियों के बीच में सांठगांठ होने का आरोप लगाते रहे हैं और चुनाव प्रक्रिया प्रारंभ होने के बाद भी वे इस पर चुप नहीं बैठे और आरोप लगाते रहे हैं।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा था कि, उन्होंने 3 अप्रेल से अब तक सार्वजनिक मंचों से 103 बार अडाणी का नाम लिया था तथा 30 से अधिक बार मुकेश अंबानी का संदर्भ दिया था। कांग्रेस ने 47 सैकण्ड का वीडियो भी जारी किया था, जिसमें 5 क्लिप्स ऐसी है जिनमें राहुल जोर-शोर से अडाणी और मोदी के संबंधों के बारे में प्रश्न खड़े करते हैं, प्रत्येक क्लिप में उनके भाषण की तारीख व स्थान का जिक्र है: 2 मई को कर्नाटक में, 3 मई को महाराष्ट्र, 5 मई को तेलंगाना में, 6 मई को मध्यप्रदेश में और 7 को झारखंड में। वीडियो का शीर्षक हैं: ''पी.एम. मोदी को अडाणी ने नौकरी पर रखा है।''

अलग से जारी एक बयान में, प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रधानमंत्री व भाजपा पर आरोप लगाया कि उन्होंने उद्योगपतियों का 16 ट्रिलियन रुपयों का

(शेष पृष्ठ 6 पर)